्र १० एक अगुन्य/साम्य**्ता २वी** /०१

बोपाल, रंदनाड

والتناؤ

आतिरिस्त,

वलेक्टर, वटनी,

ांजला - क्षात्राज्ञानसपुर १ म०५८ ।

निवारीय प्रयोजन हेतु श्राम का आखुटन बाबद्।

taken some some start was come when is a depart taken which could believe the same that

राज्य शासन गुम्म दिनुरी तहसीन गुइवारी है कटनी है जिला करनपुर के करना निक्र निर्मात करनपुर के करना निक्र निर्मात करनपुर के करना निक्र निर्मात करनपुर के करना निक्र में ते 1,0000 वर्षुच्य वृभि की पृथ्यापि समये 1,50,000000 वृद्धि वृभि की पृथ्यापि समये 1,50,000000 वृद्धि वृभि की पृथ्यापि समये 1,50,000000 वृद्धि वृभि की एक निष्मात है तथा वार्षिक मुमीटिक स्पर्य 6500=00 है स्पर्य छ: हजार परिच भी है निक्र आयुध्य निम्मीपि कर्मवारी गुड निक्रापि सहकारी सर्गित कर्मा के जन्म तथा कर्मी को आयासी व प्रांचिन हेतु निक्राप्ततार सरमान्य कर्मी के नहथा तथा निक्र पिर्मेश कर्मी को आयासी व प्रांचिन हेतु निक्राप्ततार सरमान्य कर्मी के नहथा तथा निक्र पिर्मेश कर्मी करने करना है:

- ११४ मूमि का आर्बेटन समिति दारा सदस्यहै को उनकी सदस्यता पुरस्त होने है कृम में भी किया जाना होगा। और यह सुनाध्यत करने के लिए जूमि आर्बेटन के आवेदन पत्र के लाख सामिति इस कृम में सदस्यहें की सुद्धी पुस्तुत प्रेमी।
- \$2 क्रांसन क्रारा तहकारी समिति के किसी सवस्य को नामग्रीकत हरके सूर्ण का अर्थन नहीं किसेस कारणा ।
- हैं। इन्हों निर्मित अपने किसी सदस्य को 1200 वर्षपुष्ट है। उत्तरहर कुल्या अपने दिन को स्वाहत नहीं करेगी एनं उन्हों सदस्यों को सु खण्ड दिन दाने पिन्हों। सदस्यता संस्था दारा दिन गए आवेदन के दिनशक वे हो । हेन पुला उन्हान को वापस की जावे।
- ्पर् परिवर्धिक तामति अपने तदास्त्री के पृति यह शती रहेणी कि उनके अद्भा रानके । किसी निकट शब्धी का पृदेश में अन्य कोर्ट रिस्टायकी सुन्दर कर्मा स्वास्त्र नहीं है।
- 2/ अध्वेश जारी होने की तिर्मात से आवेदक/तुस्था से पुट्याबि की सम्बंध अहरी ह सुभाउक की राजि 6 माह के अन्दर जगा करादे । यदि वे उन्यस्तर

अवधि तक पृथ्याणि व भू माटक जमा नहीं करते हैं तो इस सुब्ध में शासन के अपदेश प्राप्त जिल्ह जार ।

यह स्वीकृति वित्त विद्याग के पृष्ठाकन कृमांक ६५७ कार र २०५६ जिस् वि-ऽ
विनाम अग्वके कार्यालय को राजस्य प्रश्च कुमांक ३०१ अ २०%। १ ८० मुलतः लोटाय
जाता है।

सुलग्नः उपरोक्तानुतार ।

मध्यपृदेश हे राज्यपात हे नाम ते तथा आदेशानुसार,

े पी. ही. अनुहाल है अवर सचिव,

मध्यपुदेश शासन, राजस्य विग्राग,

वृष्टगुर्वन कुमांक एक 6-127/सात/सा-2बी/१। शोषान, दिनांक 16/१९१८ प्रतिनिर्गः तीन अतिरिक्त पृतियो तिहत सचिष, मध्यप्रदेश शासन, चिन्त विश्वारा शोषान की और आदेश की पृति महानेखाकार मध्य ज्वाराध्यर को पृष्टगुर्विक

करने देतु भौषित ।

आयुक्त जनलपुर स्थाग जबलपुर की और उनके शापन कुमकि 648/एक 3/90 विनाक 16 जुलाई 1990 के सुंदर्श में सूचनार्थ।

ाइयान, आयुष्य निमाणी कर्मवारी गृह निमाण सहकारी समिति कटनी जिनाह कार्य की और सूचनार्थ एवं आवायक कार्यवारी हेतु अग्रेष्ट्रित ।

> अवर मरियः, मध्यपुदेश जातनः, राजस्य विश्वान ः